



# Urvashi

---

18 Feb 2005

02:00 AM

Ahmedabad

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121195401

## लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 17-18/02/2005  
दिन \_\_\_\_\_: गुरु-शुक्रवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 02:00:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 47:03:33 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Ahmedabad  
राज्य \_\_\_\_\_: Gujarat  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 23:03:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 72:40:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:39:20 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 01:20:40 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:14:02 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 11:12:19 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:10:34 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:36:23 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:25:48 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 05:21:26 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 15:56:04 वृश्चिक

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मृगशिरा - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: विष्कुम्भ  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: सर्प  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: वे-वैशाली  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

## पंचांग

दादा का नाम \_\_\_\_\_ :  
पिता का नाम \_\_\_\_\_ :  
माता का नाम \_\_\_\_\_ :  
जाति \_\_\_\_\_ :  
गोत्र \_\_\_\_\_ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1926	माघ	29
पंजाबी	संवत : 2061	फाल्गुन	7
बंगाली	सन् : 1411	फाल्गुन	6
तमिल	संवत : 2061	मासी	6
केरल	कोल्लम : 1180	कुंभम	6
नेपाली	संवत : 2061	फाल्गुन	7
चैत्रादि	संवत : 2061	माघ	शुक्ल 10
कार्तिकादि	संवत : 2061	माघ	शुक्ल 10

### पंचांग

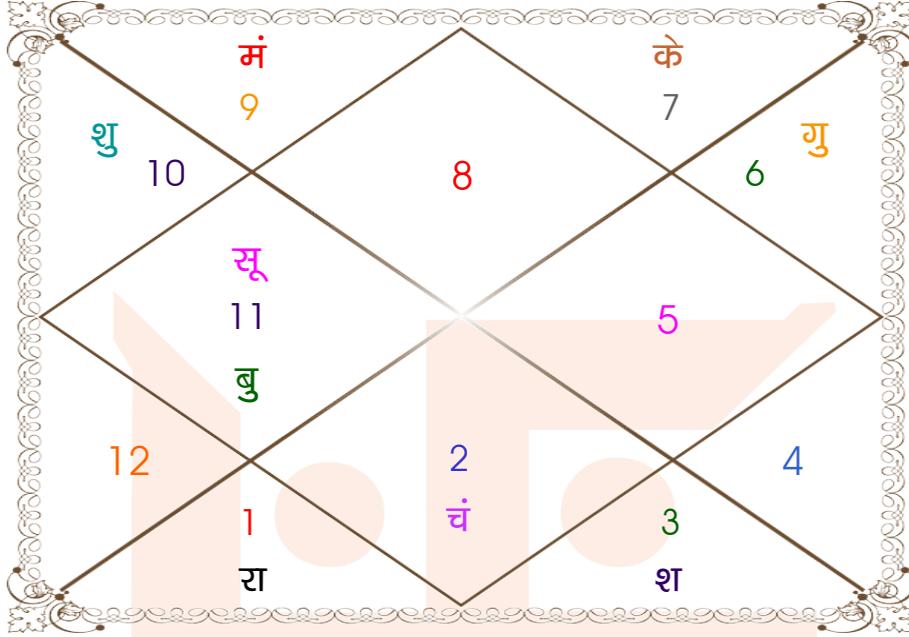
सूर्योदय कालीन तिथि \_\_\_\_\_ : 9  
तिथि समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 20:38:39  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 10  
सूर्योदय कालीन नक्षत्र \_\_\_\_\_ : रोहिणी  
नक्षत्र समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 21:02:52 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_ : मृगशिरा  
सूर्योदय कालीन योग \_\_\_\_\_ : वैधृति  
योग समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 23:51:20 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_ : विष्कुम्भ  
सूर्योदय कालीन करण \_\_\_\_\_ : बालव  
करण समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 07:33:40 घंटे  
जन्म करण \_\_\_\_\_ : तैतिल  
भयात \_\_\_\_\_ : 12:22:51  
भभोग \_\_\_\_\_ : 67:09:32  
भोग्य दशा काल \_\_\_\_\_ : मंगल 5 वर्ष 8 मा 13 दि

### घात चक्र

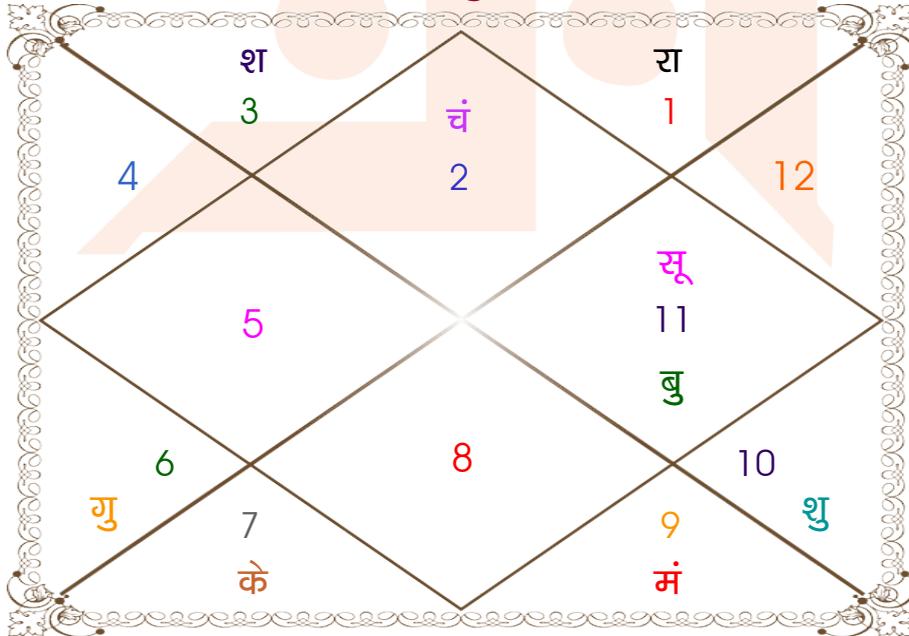
मास \_\_\_\_\_ : मार्गशीर्ष  
तिथि \_\_\_\_\_ : 5-10-15  
दिन \_\_\_\_\_ : शनिवार  
नक्षत्र \_\_\_\_\_ : हस्त  
योग \_\_\_\_\_ : शुक्ल  
करण \_\_\_\_\_ : शकुनि  
प्रहर \_\_\_\_\_ : 4  
वर्ग \_\_\_\_\_ : सिंह  
लग्न \_\_\_\_\_ : वृष  
सूर्य \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
चन्द्र \_\_\_\_\_ : धनु  
मंगल \_\_\_\_\_ : धनु  
बुध \_\_\_\_\_ : कन्या  
गुरु \_\_\_\_\_ : मकर  
शुक्र \_\_\_\_\_ : मकर  
शनि \_\_\_\_\_ : तुला  
राहु \_\_\_\_\_ : मकर

# जन्म कुण्डली

## लग्न कुण्डली



## चन्द्र कुण्डली



## लग्न कुण्डली और दशा

### लग्न कुण्डली

	रा	चं	श
बु सू			
शु			
मं	ल	के	गु

### लग्न कुण्डली

चं	रा	बु सू
श		शु
गु	के	मं ल

विंशोत्तरी  
मंगल 5वर्ष 8मा 13दि  
मंगल

18/02/2005

03/11/2123

मंगल	02/11/2010
राहु	02/11/2028
गुरु	02/11/2044
शनि	02/11/2063
बुध	02/11/2080
केतु	02/11/2087
शुक्र	03/11/2107
सूर्य	03/11/2113
चन्द्र	03/11/2123

योगिनी  
संकटा 6वर्ष 6मा 7दि  
भद्रिका

26/08/2021

27/08/2026

भद्रिका	07/05/2022
उल्का	07/03/2023
सिद्धा	25/02/2024
संकटा	06/04/2025
मंगला	27/05/2025
पिंगला	05/09/2025
धान्या	05/02/2026
भ्रामरी	27/08/2026

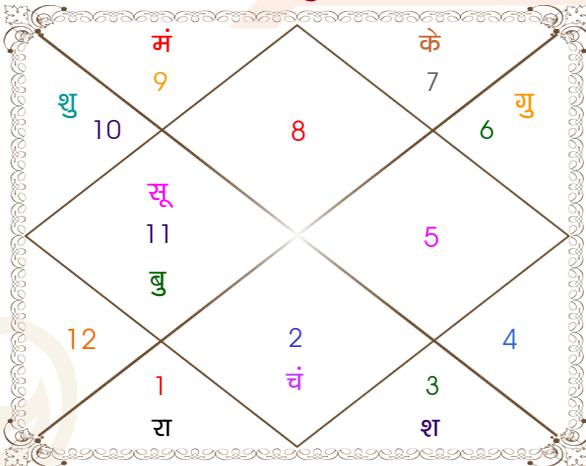
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	वृश्चिक	15:56:04	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कुम्भ	05:21:26	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	वृष	25:48:03	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक
मंगल	धनु	13:55:31	मित्र राशि	--	--	--	नेक
बुध	कुम्भ	08:07:02	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	व कन्या	24:32:33	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	मकर	25:06:08	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शनि	व मिथुन	27:23:57	मित्र राशि	--	--	--	नेक
राहु	व मेष	00:37:49	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
केतु	व तुला	00:37:49	सम राशि	--	--	--	नेक

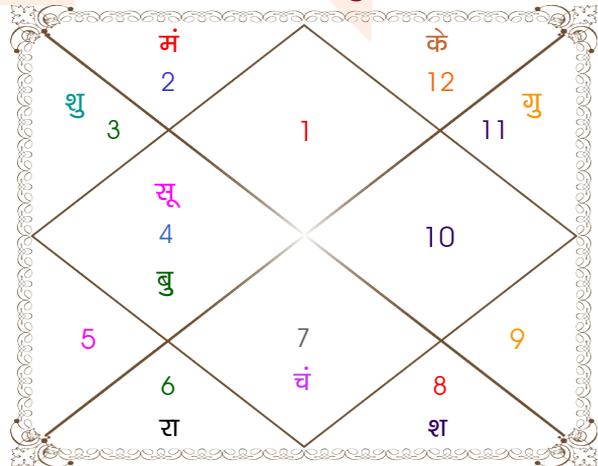
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली





## लालकिताब दशा

<b>शनि 6 वर्ष</b> 18/02/2005 18/02/2011	<b>राहु 6 वर्ष</b> 18/02/2011 18/02/2017	<b>केतु 3 वर्ष</b> 18/02/2017 18/02/2020	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 18/02/2020 18/02/2026	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 18/02/2026 18/02/2028
राहु 18/02/2007 बुध 18/02/2009 शनि 18/02/2011	मंगल 18/02/2013 केतु 18/02/2015 राहु 18/02/2017	शनि 18/02/2018 राहु 18/02/2019 केतु 18/02/2020	केतु 18/02/2022 गुरु 18/02/2024 सूर्य 18/02/2026	सूर्य 19/10/2026 चंद्र 20/06/2027 मंगल 18/02/2028
<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 18/02/2028 18/02/2029	<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 18/02/2029 18/02/2032	<b>मंगल 6 वर्ष</b> 18/02/2032 18/02/2038	<b>बुध 2 वर्ष</b> 18/02/2038 18/02/2040	<b>शनि 6 वर्ष</b> 18/02/2040 18/02/2046
गुरु 19/06/2028 सूर्य 19/10/2028 चंद्र 18/02/2029	मंगल 18/02/2030 शुक्र 18/02/2031 बुध 18/02/2032	मंगल 18/02/2034 शनि 18/02/2036 शुक्र 18/02/2038	चंद्र 19/10/2038 मंगल 20/06/2039 गुरु 18/02/2040	राहु 18/02/2042 बुध 18/02/2044 शनि 18/02/2046
<b>राहु 6 वर्ष</b> 18/02/2046 18/02/2052	<b>केतु 3 वर्ष</b> 18/02/2052 18/02/2055	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 18/02/2055 18/02/2061	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 18/02/2061 18/02/2063	<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 18/02/2063 18/02/2064
मंगल 18/02/2048 केतु 18/02/2050 राहु 18/02/2052	शनि 18/02/2053 राहु 18/02/2054 केतु 18/02/2055	केतु 18/02/2057 गुरु 18/02/2059 सूर्य 18/02/2061	सूर्य 19/10/2061 चंद्र 20/06/2062 मंगल 18/02/2063	गुरु 20/06/2063 सूर्य 20/10/2063 चंद्र 18/02/2064
<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 18/02/2064 18/02/2067	<b>मंगल 6 वर्ष</b> 18/02/2067 18/02/2073	<b>बुध 2 वर्ष</b> 18/02/2073 18/02/2075	<b>शनि 6 वर्ष</b> 18/02/2075 18/02/2081	<b>राहु 6 वर्ष</b> 18/02/2081 18/02/2087
मंगल 18/02/2065 शुक्र 18/02/2066 बुध 18/02/2067	मंगल 18/02/2069 शनि 18/02/2071 शुक्र 18/02/2073	चंद्र 19/10/2073 मंगल 20/06/2074 गुरु 18/02/2075	राहु 18/02/2077 बुध 18/02/2079 शनि 18/02/2081	मंगल 18/02/2083 केतु 18/02/2085 राहु 18/02/2087
<b>केतु 3 वर्ष</b> 18/02/2087 18/02/2090	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 18/02/2090 18/02/2096	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 18/02/2096 18/02/2098	<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 18/02/2098 18/02/2099	<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 18/02/2099 19/02/2102
शनि 18/02/2088 राहु 18/02/2089 केतु 18/02/2090	केतु 18/02/2092 गुरु 18/02/2094 सूर्य 18/02/2096	सूर्य 19/10/2096 चंद्र 19/06/2097 मंगल 18/02/2098	गुरु 20/06/2098 सूर्य 19/10/2098 चंद्र 18/02/2099	मंगल 18/02/2100 शुक्र 19/02/2101 बुध 19/02/2102
<b>मंगल 6 वर्ष</b> 19/02/2102 19/02/2108	<b>बुध 2 वर्ष</b> 19/02/2108 19/02/2110	<b>बुध 2 वर्ष</b> 19/02/2108 19/02/2110	<b>बुध 2 वर्ष</b> 19/02/2108 19/02/2110	<b>बुध 2 वर्ष</b> 19/02/2108 19/02/2110
मंगल 19/02/2104 शनि 19/02/2106 शुक्र 19/02/2108	चंद्र 20/10/2108 मंगल 20/06/2109 गुरु 19/02/2110	चंद्र 20/10/2108 मंगल 20/06/2109 गुरु 19/02/2110	चंद्र 20/10/2108 मंगल 20/06/2109 गुरु 19/02/2110	चंद्र 20/10/2108 मंगल 20/06/2109 गुरु 19/02/2110

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।  
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

## टेवे की श्रेणी

### रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

### धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

### नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

## लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

### स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

### मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

### पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

### कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

### पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी कर्तुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

### स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

## निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

## निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

## आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

### ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप धन एकत्र करती रहेंगी। उस धन का लाभ दूसरे को मिलेगा मगर आपकी संतान करोड़पति होगी। आप नये अविष्कार से लाभ प्राप्त करेंगी। नये कार्यों में सफलता मिलेगी। आप अपना पैतृक/ससुराल का कार्य छोड़ कर नया काम करेंगी तो खूब लाभ होगा। आप विदेश में निवास करेंगी। पिता/ससुर के साथ आपका संबंध अच्छा रहेगा। पैतृक और ससुराल से संपत्ति का लाभ मिलेगा। आप घर में हैंडपंप, कुंआ आदि लगाएं तो शुभ फल होगा और आपके मन में शांति रहेगी। आप 25 वर्ष से 50 वर्ष की आयु तक खूब लाभ कमाएंगी। आप कपड़े, पानी और दूध के व्यवसाय से खूब लाभ प्राप्त करेंगी। आपको कपड़े के व्यवसाय से अधिक लाभ मिलेगा। आप काफी धन संग्रह करेंगी। आप फलों वाले पेड़-पौधे लगाएंगी। आपका भाग्य अच्छा है। आप अपने काम रात में करें तो अधिक लाभ होगा। आपके घर पर कोई मुसीबत नहीं आएगी। सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से लाभ मिलेगा, वाहन का सुख और लाभ होगा। पति से लाभ होगा या पति की नौकरी-व्यापार में तरक्की होगी।

यदि आपको चोरी की आदत होगी, दूसरे लोगों के बनते काम बिगाड़ेंगी, परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे या किसी पुरुष से बदतमीजी की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। माता/सास एवं भाई के सुख में हानि हो सकती है। समस्या न होने पर भी आप उदास रहेंगी। माता/सास का मन अशांत रहेगा एवं स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जीवन में कई कठिनाइयां आ सकती है। अगर आप दूसरों के बने बनाये काम बिगाड़ेंगी तो रक्तचाप का भय रहेगा और आपके कार्यों में रुकावटें पैदा होंगी और माता-पिता/सास-ससुर का सुख कम हो जायेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी की आदत से बचें।
2. पुरुषों के झगड़े में न पड़ें।

उपाय :

1. अंधों को भोजन दें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको सुंदर पति का सुख प्राप्त होगा। आप नेता, वकील, व्यापारी बन सकती हैं। खेती की जमीन से भी लाभ मिलेगा। मध्यम पढ़ाई का योग है। आपके घर में जल तथा दूध की व्यवस्था हमेशा रहेगी।

आप स्वयं लक्ष्मी अवतार होंगी। आपकी योगाभ्यास, शायरी और ज्योतिष विद्या में रुचि होगी। आप आस्तिक और ईश्वर भक्त होंगी। आप सरकारी सर्विस में होंगी तो प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। उत्तम वाहन सुख मिलेगा। दुनियादारी से मोहभंग हो जाएगा। आध्यात्म का फल श्रेष्ठ रहेगा। आप अपने पराक्रम से मिट्टी से सोने पैदा कर सकती हैं। धन-दौलत, जेवरात आदि की बरकत होगी। आपको सरकार से या किसी संस्था द्वारा सम्मान मिलेगा या आप विदेश में अधिक समय व्यतीत करेंगी। विदेश की यात्रा करेंगी। ईश्वर की भक्ति प्राप्त होगी। आपको जल से संबंधित चीजों से लाभ होगा। आप नये विषयों की खोज भी करेंगी।

यदि आपने परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे, भूत-प्रेत की सिद्धि की, मादक द्रव्यों का प्रयोग किया। माता/सास या पति से झगड़ा किया, 24-25 वर्ष आयु में विवाह हुआ तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से 2 वर्ष तक माता/सास का स्वास्थ्य ढीला रहेगा या माता/सास से अलग रहना पड़ सकता है। विवाह के बाद माता/सास के सुख में कमी आ सकती है। माता/सास का विरोध करना आपके लिए अशुभ होगा। आपको 24वें वर्ष में विवाह करना भावी संतान के लिए प्रतिकूल होगा। आपका चाल-चलन संदेहपूर्ण होगा। दूध और पानी को बेचने से संतान सुख में बाधा हो सकती है। आपके पति और आपकी माता का आपस में झगड़ा रहेगा, पति से संबंध विच्छेद या दूरी का भय रहेगा या हो सकता है। मादक चीजों-द्रव्यों के प्रयोग से आपकी बर्बादी होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूध-पानी माल न बेचें।

उपाय :

1. दूध-पानी का दान करें।
2. विवाह के बाद पति के घर में जाने से पहले पति के घर में आपके वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी कायम होना चाहिये।

### मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दयालु, रक्षक, भाई और मित्रों का पालनहार, आप दूसरों की जरूरत हमेशा पूरी करेंगी। आप किसी संस्था की प्रधान भी हो सकती हैं। आप बहुत लोगों को सहारा देने वाली होंगी। आप दूसरों को खाली हाथ नहीं लौटाएंगी। आपको पैतृक और ससुराल से सहायता मिलेगी। आप छोटे भाई/देवर से पुत्र जैसा प्यार करेंगी और उसे सहायता देंगी। छोटे भाई/देवर की सहायता से आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आप दूसरों की सहायता करती रहेंगी। इस वजह से आप भी भरपूर रहेंगी। आपको दूसरों की भलाई के लिए धन-संपत्ति मिलती रहेगी। आप दूसरों के लिए

लंगर लगाएंगी। आप नेक और पक्के इरादे की हैं। आप परिश्रम से धनी होंगी। आपको खुराक, पोशाक तथा अन्य जीवन के सुख प्राप्त होंगे। जरूरत पड़ने पर खुद ब खुद पैसे मिल जाएंगे। आपको भगवान की कृपा से बहुत धन मिलेगा। आप अधिकारी बन कर हुकूमत करेंगी। आप तीर्थ यात्रा करने से शुभ फल को प्राप्त करेंगी। शादी के बाद आपकी दौलत में बढ़ेत्तरी होगी। ससुराल पक्ष से सुखी रहेंगी।

यदि आपने दूसरों के धन-पुरुष पर बुरी नजर रखी, बुरी आदतों के शिकार हुई या छल-कपट करके भाई-बंधुओं, मित्रों के साथ ठगी की तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से अगर विद्या में रुकावट, जरूरत पड़ने पर आपको धन मिलता रहेगा। नौकरी-व्यापार में बार-बार हानि हो सकती है। 28 वर्ष से पहले बड़े भाई को शरीर कष्ट संतान की चिंता, धन हानि होगी। यदि आपका बड़ा भाई है तो उसका सुख आपको नहीं मिलेगा या वह आपसे हालत में कमजोर होगा या आप और आपका भाई/देवर निःसंतान भी हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़े से दूर रहें।
2. मेहमानों की सेवा से मुंह न फेरें।

उपाय :

1. बच्चों को दोपहर के समय गुड़-गेहूं बांटें।
2. नाश्ते में मीठा भोजन करें।

## बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से सुख प्राप्त होगा। सरकार द्वारा मान-सम्मान भी प्राप्त होगा। राजसुख प्राप्त होगा। आप लेखक संपादक या एक कुशल व्यवसायी भी होंगी। आप अपने जन्म स्थान के आस-पास ही नौकरी-व्यापार करेंगी। आप भाग्यवान हैं। आपके परिवार, दौलत तथा आपकी उम्र तीनों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। राजयोग के प्रभाव से आप सरकारी नौकरी में रहेंगी या सरकार से लाभ प्राप्त करेंगी। जीवन व्यस्त परंतु पूर्ण सुखी रहेगा। सुख के सभी साधन उपलब्ध होंगे। निजी भवन और वाहन की प्राप्ति के योग हैं। आप हुनरमंद और कलाकार होंगी। जीवन में बुद्धिमत्ता से काम लेना पड़ेगा। विदेश की यात्रा या आयात-निर्यात के कामों से अधिक लाभ होगा। बहन-मौसी से लाभ होगा।

यदि आपने विधुर या अविवाहित पुरुष से संबंध रखा, लड़की, बुआ, बहन-ननद के धन का उपयोग किया, माता/सास का विरोध या कष्ट दिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से सब प्रकार से आपको मां/सास का प्यार कम मिलेगा। माता/सास के लिए अरिष्ट सूचक योग है। यदा-कदा आपका मनोबल क्षीण हो जाया करेगा। परंतु आपको घबराना नहीं चाहिए। आपको किसी से गलत

मंत्रणा मिल सकती है। पति सुख, धन-दौलत और गृहस्थ सुख पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. ननद-मौसी से झगड़ा न करें।
2. विधुर या अविवाहित पुरुष से संबंध न रखें।

उपाय :

1. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।
2. केसर का तिलक करें।

### गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता/ससुर का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मददगार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन में 16 वर्ष से 28 वर्ष तक आपका भाग्य खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपका धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगी तथा धर्म में विश्वास रखेंगी, तो आपका भला होगा। पिता/ससुर की उम्र तक आपकी हालत अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगी। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों की मददगार होंगी आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकती हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगी। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगी। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नही करेंगी। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से पिता/ससुर की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगी। आप की आखों की नज़र कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता/ससुर की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

### शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपके घर में कभी चोरी नहीं होगी। आपका पति सच्चरित्र होंगे और आप स्वयं भाग्यवान रहेंगी। पति जीवन भर आपका साथ निभाएंगे। आप अपने पति से दब कर रहेंगी। आपकी संतान अधिक होंगी। आपको तीर्थ यात्राएं बहुत करनी पड़ेंगी। आप सभी की प्रिय होंगी। धन का व्यय अधिक करेंगी। कभी-कभी अधिक लाभ भी होगा। आपके पति आपके सभी कार्यों में हाथ बटाएंगे या पति के नाम से किये कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। पति, लक्ष्मी, गाय की सेवा से अच्छा फल प्राप्त होगा। आप दूसरे पुरुषों पर आशिक होंगी। शत्रु आपका नुकसान नहीं कर सकेगा। कोई भी पुरुष आप पर मोहित हो सकता है। आपको कम परिश्रम करके ही रोटी नसीब हो जाएगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी। आप सभी सुख-सुविधाओं से युक्त रहेंगी, परंतु सुख की नींद नहीं सो सकेंगी। माता-पिता/सास-ससुर का सुख लंबे समय तक मिलेगा। आप कमाऊ महिला होंगी, पति के कंधे से कंधा लगाकर मुसीबत में साथ देंगी।

यदि आपने एक से अधिक पुरुषों से संबंध रखे, बुजुर्गी घर के मुख्य दरवाजे की दहलीज को नष्ट किया, राग-रंग में रुचि रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपका कई पुरुषों से संपर्क रहेगा। आप अपने पति का क्रोध एवं साहस देख कर हैरान होती होंगी। आपके जीवन में भवन सुख दूषित है। यदि मकान बनाएं भी तो वह घर उजड़ सकता है। माता/सास के सुख में बाधा है यदि आपकी आयु के 34वें वर्ष तक मां/सास जीवित रहेंगी तो उसकी दीर्घायु होगी। आप दुःखी लोगों और मुसीबतों से घिरी रहेंगी। धन-दौलत, उम्र बढ़ने के साथ-साथ घटती जाएगी। यदि आपकी सौतेली माता हुई तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। ससुराल पक्ष से यदि कोई साझेदारी करें या वे लोग आपके काम में सहयोग करें तो हानि होगी। आपके भाई-बंधुओं के हाथों धन की हानि होगी। पैतृक संपत्ति आपके काम नहीं आएगी। आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बुजुर्गी घर की दहलीज को खराब न होने दें।
2. राग-रंग में रुचि न रखें।

उपाय :

1. पति की सेवा करें।

2. मंगल की चीजों का प्रयोग करें।

### शनि

आपकी जन्मकुंडली में आठवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आप नये अविष्कार या विषयों की खोज करेंगी। आप मनमौजी होंगी। आर्थिक हालात सामान्य रहेंगे। भागीदारी के काम से अधिक लाभ होगा। यदि आप सरकारी नौकरी करती हैं तो आपको सरकारी विभाग में धीरे-धीरे तरक्की प्राप्त होगी। आप विदेश की यात्रा भी करेंगी, ऐसी पूरी संभावना है। वैसे आपको जल से, जलीय पदार्थ या समुद्री यात्रा से लाभ हो सकता है, परंतु आपकी विदेश यात्रा पूर्ण संभावित है। आपको एक जगह बैठ कर करने वाले स्थायी काम करना ही अच्छा है।

यदि आपने अपनी रिहाईश, गली की नुक्कड़ पर या आगे बंद गली के घर में रखी, मकान में दरारें हुई, घर से बिच्छू निकलते रहे, आप अपने नाम पर मकान बना लें तो आपको शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपको पिता/ससुर का सुख कम ही प्राप्त होगा। किसी भी दुर्घटना की आशंका है। आपके भाई आपसे शत्रुता कर सकते हैं। आपकी टांगों पर बुरा असर पड़ सकता है। भोजन में शराब-मांस, अंडे का सेवन आपको नीच बना देगा इसका सेवन नहीं करें। आपका बुढ़ापा गरीबी से गुजरे और बुढ़ापे में आंखों की दृष्टि कमजोर हो, ऐसी आशंका है। आपका अभिमान के कारण नुकसान हो सकता है। कोई जवाबदेही पूर्ण कार्य से अथवा नीच कार्य से, बहुत बड़ा नुकसान और पछतावे का कारण बन सकता है। आपको सरकार से भय रहेगा। अपने नाम पर घर बना लेंगी तो असमय मौत को बुला सकती हैं। नौकरों द्वारा हानि का भय, संतान सुख में कमी हो सकती है। शराब-मांस, मछली का सेवन आपको हानि दे सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपने नाम से मकान न बनायें।
2. सांप न मारें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 किलो उड़द जल प्रवाह करें।

### राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप शत्रुहंता होंगी। आप भाग्यवान और धनवान होंगी। आप बहादुर होंगी। आप किसी व्यक्ति को फांसी की सजा से बचाने में मददगार होंगी। आप स्वयं शक्तिशालिनी होंगी। आपके मान-सम्मान, धर्म-ईमान के लिए राहु का शुभ प्रभाव रहेगा। आप विदेश की यात्रा करेंगी। आपमें अहंकार की

भावना रहेगी। ऐशो आराम की सभी चीजें प्राप्त होंगी। किसी प्रकार की मुसीबत का असर आप पर लंबे समय तक नहीं रहेगा। आपकी दिमागी हालत ऊंचे दर्जे की होगी।

यदि आपने चाचा से झगड़ा किया, बिना लाइसेंस की पिस्तौल-बंदूक रखी, भाई की हत्या की या भाई से झगड़ा किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से घर में किसी की आपके जन्म के कुछ दिन के बाद घर में किसी की मृत्यु हो जाये ऐसी शंका है। भाई का अहित करने से आपकी औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। आपकी आवारा और बदमाश लोगों से दोस्ती होगी। नीच स्तर के पुरुष का साथ आपको नीच बना सकता है। आप अचानक धन-संपत्ति को बर्बाद करेंगी या लुटा देंगी ऐसी शंका है। बड़े भाई या बहन से लड़ाई-झगड़ा किया तो खुद बर्बाद हो जाएंगी। आपके जीवन में अग्नि, रोगभय या धननाश की आशंका है। नामी चोर भी सजा का भय क्यों, ऐसी कहावत आप पर लागू हो सकती है। आपको गोली लगने का भय है। आपके चाचा की मौत के बाद आपके पिता का घर बर्बाद हो जायेगा। यदा-कदा आप अपने हितैषी का भी नाश करने पर तुल जाएंगी। यदि आप कभी बीमार हो जायें तो जो आपकी खबर लेने आयेंगे वह भी बीमार होकर जायेंगे। संतान से दुःखी या संतान को क्या कष्ट है उसका पता न चलेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. काला कुत्ता पालें या काले कुत्ते को भोजन का हिस्सा खिलायें।
2. 6 सिक्के की गोलियां पास रखें।

### केतु

आपकी जन्मकुंडली के बारहवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप ऐश्वर्य संपन्न, सुखी वैवाहिक जीवन और जमीन-जायदाद के सुख से पूर्ण होंगी। आप सरकारी पक्ष की सेवा करेंगी। समयावधि में तबदीली की अपेक्षा तरक्की के अवसर अधिक आयेंगे। आप शुभ कार्यों में खर्च करेंगी। आपके जीवन के 24वें वर्ष में पुत्र प्राप्ति के योग बनेंगे। पुत्र जन्म के बाद घर में बहुत मात्रा में धनागम शुरू हो जाएगा। आपकी संतान भी धनवान होंगी। आपको भवन निर्माण एवं विदेश प्रवास से लाभ मिलेगा। आप आध्यात्मिक भावना की महिला होंगी। मन में त्याग की भावना रहेगी। निःसंतान व्यक्ति से मकान या भूमि न खरीदें। आपकी कामवासना अधिक रहती है। कई संतान का सुख प्राप्त होने की संभावना है। आपके जीवन में हमेशा ही भोग और सुख प्राप्त होंगे। आपका ससुराल पक्ष सुखी रहेगा और दौलतमंद होगा। आपके परिवार की तरक्की होगी। आप अय्याश होंगी, यह आपके लिए शुभ रहेगा।

यदि आपने कुत्ते मारे या मरवाये, भाई-बंधुओं से झगड़ा किया समाज विरोधी कार्य

किये, आवारा फिरना शुरु किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से पिता/ससुर की जायदाद बर्बाद होगी। भाई-बंधुओं से और समाज में अपमानित हों, ऐसी आशंका है। कुत्तों को मारने से या कुत्ते से नफरत करने से संतान को कष्ट या संतान सुख से महरुम, निःसंतान या बच्चा गोद लेने की नौबत आ सकती है। संतान प्राप्ति में कुछ बिलंब हो सकता है। ठगी-धोखेबाजी से कमाया धन कफन का सबूत बनेगा और धन की कमी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

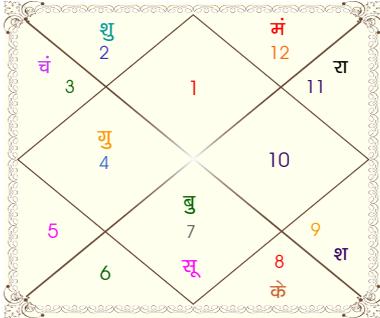
1. कुत्तों को चोट न मारें।
2. ठगी-धोखेबाजी से दूर रहें।

उपाय :

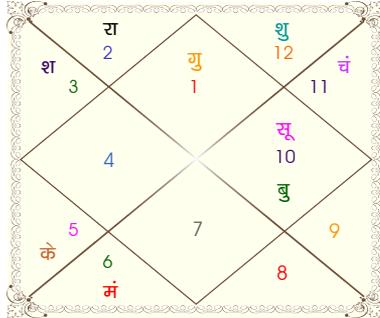
1. घर में हमेशा काला-सफेद कुत्ता पालें।
2. दोहता-जमाई-भांजे या जीजा की सेवा करें।

# लाल किताब - वर्ष कुंडली

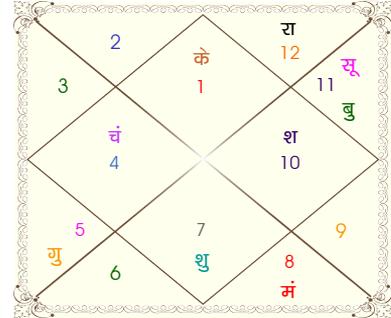
2026



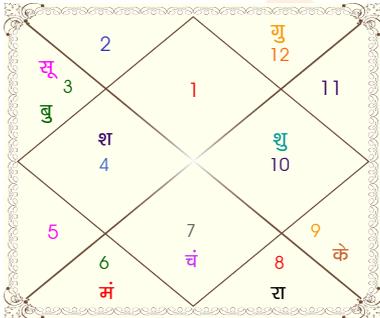
2027



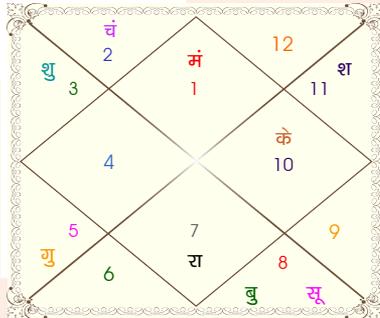
2028



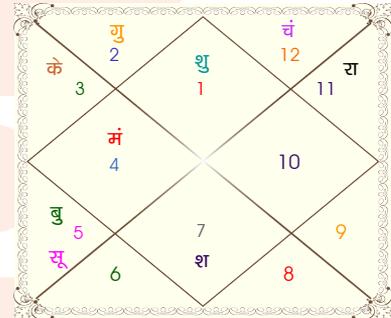
2029



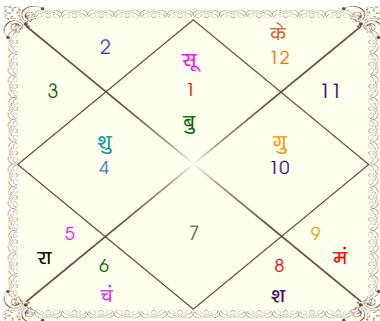
2030



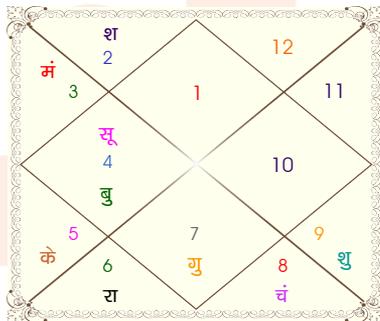
2031



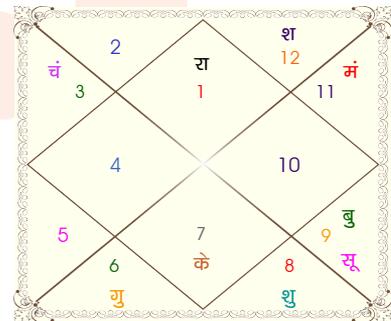
2032



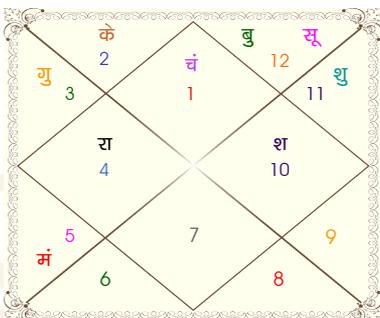
2033



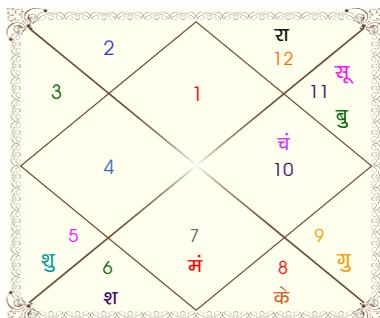
2034



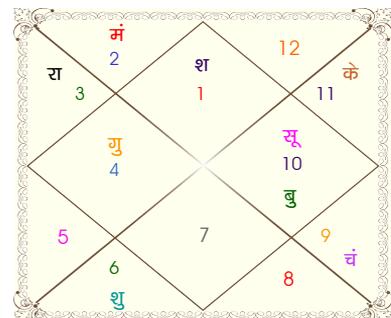
2035



2036



2037



# लाल किताब वर्षफल 2026-2027

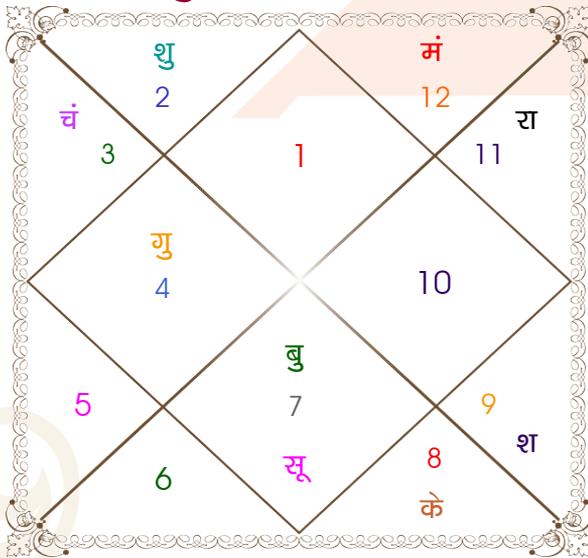
वर्तमान आयु - 22  
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

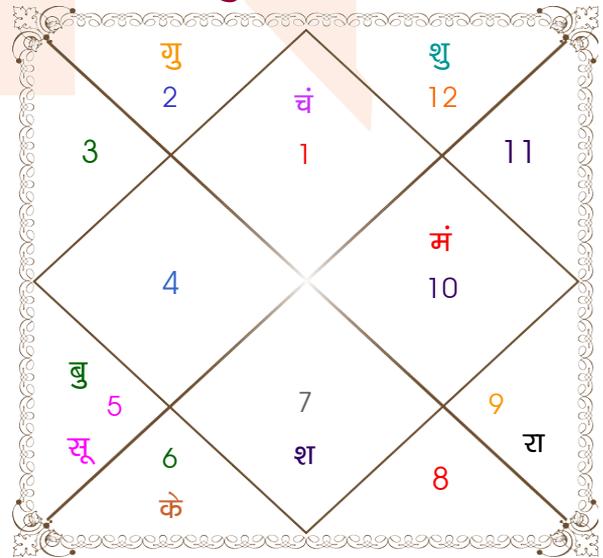
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



## लाल किताब वर्षफल 2026-2027

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके माता-पिता/सास-ससुर की हालत में सुधार होगा आपकी गिनती सम्मानित महिलाओं में होगी। कारोबार और परिवार में तरक्की होगी, भागीदारी के कामों में लाभ मिलेगा। ज्योतिष या कर्मकांड में रुचि रहेगी। कष्ट के समय आप अपने परिवार/ससुराल में रहेंगी। जिससे आपके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अगर दुकानदारी या प्राइवेट नौकरी करती हैं तो मिजाज गर्म न रखें।
2. सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म मिजाज रखें।

### चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चरित्र सुधरेगा और पराक्रम बढ़ेगा, चोरी से बचाव होगा। विद्या अच्छी रहेगी, 3, 6, 8, 12वां मास अधिक लाभदायक होगा, कुदरत खुद आपकी किस्मत बनाने में सहायक होगी, गरीबों से आपकी हमदर्दी रहेगी, किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में आपकी रुचि रहेगी या खुद भी उस खेल में हिस्सा ले सकती हैं।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से झगड़ा न करें।
2. यतीमों के लिये मिला सामान हड़प न करें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खायेंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु, निर्धन-ब्राह्मण की सेवा में तत्पर रहेंगी, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगी। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकदमे में जीत या सरकारी विभाग से लाभ हो सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। पुरुषों से सम्बन्धित कामों से या पति से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता है। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, ननद, देवरानी या जेठानी से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा। दिमाग में आयी बात को अवश्य पूरा करेंगी। आपको हर कोई मान-सम्मान देगा। सभी की मदद करने से और उच्च पद/तरक्की की प्राप्ति होगी। बुंजुंगों से सुख मिलेगा और दिनों-दिन रूतबा बढ़ेगा। आभूषण, वाहन, मकान का सुख मिलेगा और परिवारों में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बच्चों के टूटे हुए खिलौने घर में न रखें।
2. निःसंतान व्यक्ति से सम्बन्ध न रखें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी, रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधवी वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी, भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा। कर्ज का बोझ आप पर नहीं रहेगा। पैसे के प्रति आपकी दौड़ नहीं रहेगी। पति के काम शुरू करने से लाभ होगा, मकान-वाहन का सुख मिलेगा। तीसरा रिहाइशी मकान न बनावें वरना स्वास्थ्य को खतरा होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2. घर की छत पर ईधन-चौगाठ आदि न रखें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता/ससुर की चिंता रहेगी, पिता/ससुर से दूरी या जुदाई हो सकती है। समय कुछ गरीबी में कट सकता है। मौके के ऑफिसर से झगड़ा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। लॉकर/दराज खाली न रखें उनमें कुछ धन आदि जरूर रखें। परिवार पर गोली चलने का भय, नीला नग-नीलम और नीला-काला कपड़ा या रंग पहनना हानिकारक है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर सफेद-शरबती टोपी पहनें या पगड़ी बांधें।
2. 4 किलो सिक्का (औफदप टुकड़ा और) चौरस, 4 नारियल सूखे (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीती हैं तो चांदी की पाईप में लगा कर पियें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपके लिए इस वर्ष शराब-मीट का सेवन हानिकारक है। परपुरुष से अनैतिक संबंध गुप्त रोग देगा। संतान सुख चाहती हैं तो चाल-चलन ठीक रखें। संतान को कष्ट या संतान की चिंता रहे ऐसी आशंका है। कारोबार में हानि और यात्रा में परेशानी या अपव्यय होगा। किसी को अपना भेद न बतायें भेदी तबाह करेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्म स्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिए)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में केतु के साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (जब बच्चे जीवित न रहते हों)।

- (1) सूर्य-गेहूँ, (2) चंद्र-चावल, (3) मंगल-दाल मसूर, (4) बुध-मूंग, (5) गुरु-चने की दाल, (6) शुक्र-चरी, (7) शनि-काली उड़द, (8) राहु-जौं, (9) केतु-काले-सफेद तिल।  
3. कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

**वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय**

- 4 किलो सिक्के का चौरस पीस, 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।  
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)



# लाल किताब वर्षफल 2027-2028

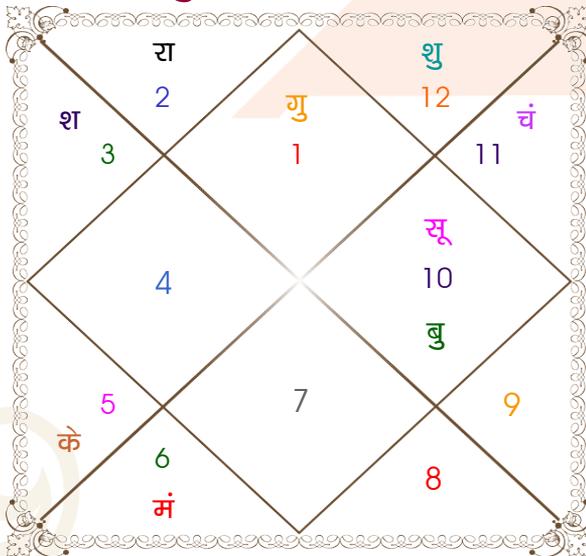
वर्तमान आयु - 23  
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	नेक

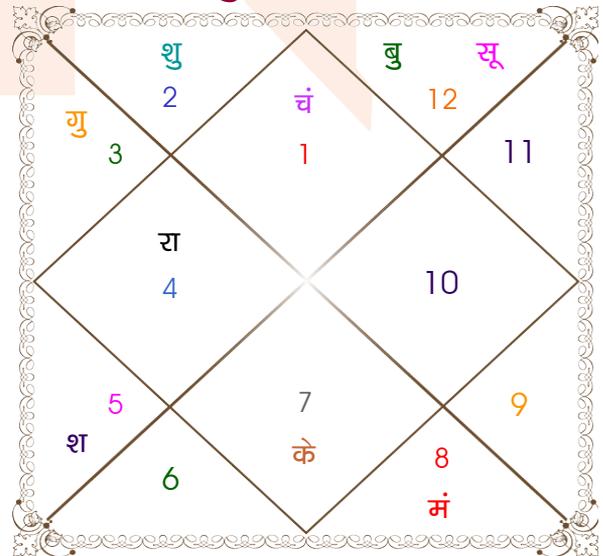
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	--

## वर्ष कुंडली 2027 - 2028



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



## लाल किताब वर्षफल 2027-2028

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता/ससुर का सुख कम या पिता/ससुर से लाभ न मिलेगा। आँखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक/ससुराल मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, स्कार्फ या चुनरी ओढ़ कर रखें।

### चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से लाभ होगा, सुख के साधन मिलेंगे, आपको पुरुषों द्वारा सहयोग प्राप्त होगा, माता/सास संतान का सुख मिलेगा। कोर्ट, इंजीनियरिंग, डाक्टरी से संबंधित कामों से लाभ मिलेगा। रात्रि समय विद्या पढ़ने या रात्रि समय विद्या से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. विद्या पढ़ने में अरुचि न रखें।
3. कमजोरी के समय चांदी का कुशता या दूध से बनी चीजों का प्रयोग अधिक करें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में खुशी का योग बनेगा, छोटे भाई/ननद-देवरानी की मदद करेंगी, शत्रुओं में कमी होगी या शत्रु दबे रहेंगे, साहूकारी (लिखा-पढ़ी करके ब्याज पर रुपया-पैसा देना) करने से लाभ होगा, प्रसन्नचित्त रहेंगी और दूसरों को भी प्रसन्न रखेंगी। यदि आप साध्वी या सन्यासिन की तरह जीवन व्यतीत करेंगी तो जनता की सेवा करेंगी। परिवार व समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. भाई से झगड़ा न करें।
2. पुत्र का जन्म हो तो जन्म पर मीठा या मिठाई न बांटे यदि मिठाई बांटनी हो तो मिठाई के

साथ नमकीन चीज जरूर दें।

### बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा, बुआ, बेटी, ननद, जेठानी या देवरानी की तरफ से खुशी मिलेगी। आप लोगों से व्यवहार कुशल, खुशामद और नीति के द्वारा सब काम निकालेंगी, अनेक विद्याओं में रुचि, आपके परिवार की और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध
2. तुलसी, मनी प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
3. शराब, बीयर आदि न पियें। मछली न खायें और मछली का शिकार न करें।

### गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, ससुर का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगी, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। गुरु-साधू की सेवा करेंगी, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

### शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपकी इस वर्ष ज्योतिष विद्या और गुप्त विद्याओं में रुचि रह सकती है, परिवार का पालन-पोषण करने में आपका अधिक ध्यान रहेगा। पति की किस्मत आपके आड़े समय में साथ देगी, ऐशो आराम के साधन मिलेंगे। चित्रकला-गायन का शौक भी हो सकती है। आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।

2. पति के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

### शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगी मगर लोग आप का कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यों से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ेगा। मकान सुख के लिए अधिक भाग-दौड़ करनी पड़ेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

### राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष ननिहाल या ससुराल से लाभ मिलेगा। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे चलने वाला होगा जो कि अच्छा या बुरा दोनों ही तरह का हो सकता है। चोरी न हो सावधान रहें या आप पर चोरी का इल्जाम लगने का भय रहेगा, धन कोष में वृद्धि होगी। दान और मुफ्त माल से परहेज करेंगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. तम्बोला-जुआ आदि न खेलें।
2. धर्म स्थान में रिहाईश न करें या धर्म स्थान में न जायें।

### केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष पिता/ससुर सेवा या गुरु भक्ति में रूचि रहेगी। चाल-चलन ठीक रहेगा। धर्म-ईमान की स्थिति शुभ होने के कारण संतान का सुख मिलेगा। पुत्र के द्वारा आपका भाग्योदय होगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग है तो पुत्र लाभ होगा। यात्रा से तरक्की होगी, धन-धान्य से सुखी रहेंगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे चलन के लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक/ट्रंक/अलमारी को हमेशा ताला लगाकर न रखें। ताले को कभी-कभी खोलते

रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रुमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।  
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



## लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।